

test

01 January 1990, Monday
01:00:00 AM(5.5)
New Delhi, India

रेखांश : 77.12E
अक्षांश : 28.36N
साम्पातिक काल : 7:19:34
स्थानीय मानक समय : 00:38:48
अयनांश : 23.72 एन सी लाहिरी

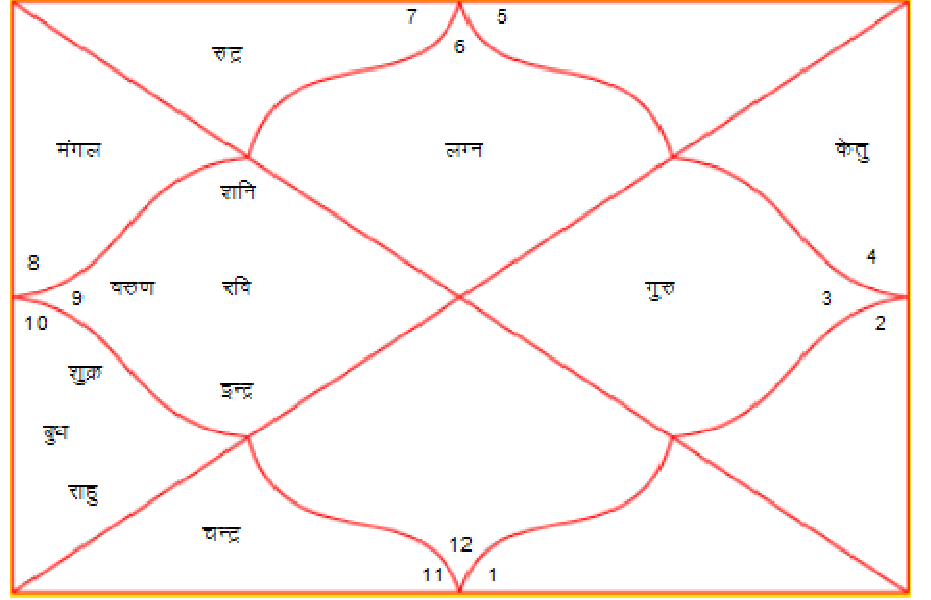
लग्न : कन्या
लग्नपति : बुध
राशी : कुम्भ
राशी स्वामी : शनि
नक्षत्र : धनिष्ठा
नक्षत्र स्वामी : मंगल
चरण : 2

नाड़ी : मध्य
नाड़ी पद : आदि

तिथि : चतुर्थी शुक्ल
पाया : स्वर्ण
सूर्य सिद्धांत योग : वज्र

करण : विष्टि
वर्ण : शूद्र
वर्ण : शूद्र
वश्य : जलचर
योनि : सिंह(स्त्री.)
विहग : वायस
गण : राक्षस
प्रथम अक्षर : ग, गी, गू, गे
सूर्य राशि : धनु

लग्न कुण्डली



जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	दिशा	राशी	स्वामी	डिग्री	नक्षत्र-पद	स्वामी
लग्न		कन्या	बुध	23:46:34	चित्रा-1	मंगल
रवि	मार्गी	धनु	गुरु	16:23:45	पूर्वाषाढा-1	शुक्र
बुध	वक्री	मकर	शनि	2:6:43	उत्तराषाढ-2	रवि
शुक्र	वक्री	मकर	शनि	12:35:5	श्रवण-1	चन्द्र
मंगल	मार्गी	वृश्चिक	मंगल	15:47:57	अनुराधा-4	शनि
गुरु	वक्री	मिथुन	बुध	11:31:28	अरिद्रा-2	राहु
शनि	मार्गी	धनु	गुरु	21:51:34	पूर्वाषाढा-3	शुक्र
चन्द्र	मार्गी	कुम्भ	शनि	0:19:41	धनिष्ठा-3	मंगल
राहु	वक्री	मकर	शनि	24:45:17	धनिष्ठा-1	मंगल
केतु	वक्री	कर्क	चन्द्र	24:45:17	आश्लेषा-3	बुध
इन्द्र	मार्गी	धनु	गुरु	12:1:38	मूला-4	केतु
वरुण	मार्गी	धनु	गुरु	18:17:43	पूर्वाषाढा-2	शुक्र
रुद्र	मार्गी	तुला	शुक्र	23:21:27	विशाखा-2	गुरु

आपका कैरियर इस साल



सालाना कैरियर रिपोर्ट में आपको इस साल अपने कार्यस्थल में होने वाली हलचल का ज्योतिषीय आंकलन मिलेगा। ज्योतिष के सिद्धांतों के द्वारा आप पर ग्रहों के प्रभाव के विश्लेषण कर यह जाना जा सकता है कि साल भर में किस तरह की घटनाओं की अपेक्षा की जाये।

कैरियर रिपोर्ट में ग्रहों के गोचर और ग्रहदशा दोनों को ही जांचा गया है जिससे आपके ऊपर ग्रहों के निरंतर पड़ते प्रभाव को समझा जा सके।



विंशोत्तरी दशा (महादशा)

मंगल

	30 Apr 1986 - 30 Apr 1993
मंगल	30 Apr 1986 - 26 Sep 1986
राहु	26 Sep 1986 - 15 Oct 1987
गुरु	15 Oct 1987 - 20 Sep 1988
शनि	20 Sep 1988 - 30 Oct 1989
बुध	30 Oct 1989 - 27 Oct 1990
केतु	27 Oct 1990 - 25 Mar 1991
शुक्र	25 Mar 1991 - 24 May 1992
रवि	24 May 1992 - 29 Sep 1992
चन्द्र	29 Sep 1992 - 30 Apr 1993

राहु

	30 Apr 1993 - 01 May 2011
राहु	30 Apr 1993 - 11 Jan 1996
गुरु	11 Jan 1996 - 06 Jun 1998
शनि	06 Jun 1998 - 12 Apr 2001
बुध	12 Apr 2001 - 30 Oct 2003
केतु	30 Oct 2003 - 17 Nov 2004
शुक्र	17 Nov 2004 - 18 Nov 2007
रवि	18 Nov 2007 - 11 Oct 2008
चन्द्र	11 Oct 2008 - 12 Apr 2010
मंगल	12 Apr 2010 - 01 May 2011

गुरु

	01 May 2011 - 01 May 2027
गुरु	01 May 2011 - 18 Jun 2013
शनि	18 Jun 2013 - 30 Dec 2015
बुध	30 Dec 2015 - 06 Apr 2018
केतु	06 Apr 2018 - 13 Mar 2019
शुक्र	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
रवि	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
चन्द्र	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
मंगल	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
राहु	05 Dec 2024 - 01 May 2027

शनि

	01 May 2027 - 01 May 2046
शनि	01 May 2027 - 04 May 2030
बुध	04 May 2030 - 11 Jan 2033
केतु	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
शुक्र	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
रवि	21 Apr 2037 - 03 Apr 2038
चन्द्र	03 Apr 2038 - 02 Nov 2039
मंगल	02 Nov 2039 - 11 Dec 2040
राहु	11 Dec 2040 - 18 Oct 2043
गुरु	18 Oct 2043 - 01 May 2046

बुध

	01 May 2046 - 01 May 2063
बुध	01 May 2046 - 26 Sep 2048
केतु	26 Sep 2048 - 23 Sep 2049
शुक्र	23 Sep 2049 - 24 Jul 2052
रवि	24 Jul 2052 - 31 May 2053
चन्द्र	31 May 2053 - 30 Oct 2054
मंगल	30 Oct 2054 - 28 Oct 2055
राहु	28 Oct 2055 - 16 May 2058
गुरु	16 May 2058 - 21 Aug 2060
शनि	21 Aug 2060 - 01 May 2063

केतु

	01 May 2063 - 01 May 2070
केतु	01 May 2063 - 27 Sep 2063
शुक्र	27 Sep 2063 - 26 Nov 2064
रवि	26 Nov 2064 - 03 Apr 2065
चन्द्र	03 Apr 2065 - 02 Nov 2065
मंगल	02 Nov 2065 - 31 Mar 2066
राहु	31 Mar 2066 - 19 Apr 2067
गुरु	19 Apr 2067 - 25 Mar 2068
शनि	25 Mar 2068 - 04 May 2069
बुध	04 May 2069 - 01 May 2070

शुक्र

	01 May 2070 - 01 May 2090
शुक्र	01 May 2070 - 30 Aug 2073
रवि	30 Aug 2073 - 31 Aug 2074
चन्द्र	31 Aug 2074 - 30 Apr 2076
मंगल	30 Apr 2076 - 30 Jun 2077
राहु	30 Jun 2077 - 30 Jun 2080
गुरु	30 Jun 2080 - 01 Mar 2083
शनि	01 Mar 2083 - 01 May 2086
बुध	01 May 2086 - 01 Mar 2089
केतु	01 Mar 2089 - 01 May 2090

रवि

	01 May 2090 - 30 Apr 2096
रवि	01 May 2090 - 18 Aug 2090
चन्द्र	18 Aug 2090 - 17 Feb 2091
मंगल	17 Feb 2091 - 25 Jun 2091
राहु	25 Jun 2091 - 19 May 2092
गुरु	19 May 2092 - 07 Mar 2093
शनि	07 Mar 2093 - 17 Feb 2094
बुध	17 Feb 2094 - 24 Dec 2094
केतु	24 Dec 2094 - 01 May 2095
शुक्र	01 May 2095 - 30 Apr 2096

चन्द्र

	30 Apr 2096 - 02 May 2106
चन्द्र	30 Apr 2096 - 01 Mar 2097
मंगल	01 Mar 2097 - 30 Sep 2097
राहु	30 Sep 2097 - 01 Apr 2099
गुरु	01 Apr 2099 - 01 Aug 2100
शनि	01 Aug 2100 - 02 Mar 2102
बुध	02 Mar 2102 - 02 Aug 2103
केतु	02 Aug 2103 - 02 Mar 2104
शुक्र	02 Mar 2104 - 31 Oct 2105
रवि	31 Oct 2105 - 02 May 2106



विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

गुरु – शुक्र

	13 Mar 2019 - 11 Nov 2021
शुक्र	13 Mar 2019 - 22 Aug 2019
रवि	22 Aug 2019 - 10 Oct 2019
चन्द्र	10 Oct 2019 - 30 Dec 2019
मंगल	30 Dec 2019 - 25 Feb 2020
राहु	25 Feb 2020 - 20 Jul 2020
गुरु	20 Jul 2020 - 27 Nov 2020
शनि	27 Nov 2020 - 30 Apr 2021
बुध	30 Apr 2021 - 15 Sep 2021
केतु	15 Sep 2021 - 11 Nov 2021

गुरु – रवि

	11 Nov 2021 - 30 Aug 2022
रवि	11 Nov 2021 - 26 Nov 2021
चन्द्र	26 Nov 2021 - 20 Dec 2021
मंगल	20 Dec 2021 - 06 Jan 2022
राहु	06 Jan 2022 - 19 Feb 2022
गुरु	19 Feb 2022 - 30 Mar 2022
शनि	30 Mar 2022 - 15 May 2022
बुध	15 May 2022 - 25 Jun 2022
केतु	25 Jun 2022 - 13 Jul 2022
शुक्र	13 Jul 2022 - 30 Aug 2022

गुरु – चन्द्र

	30 Aug 2022 - 30 Dec 2023
चन्द्र	30 Aug 2022 - 10 Oct 2022
मंगल	10 Oct 2022 - 07 Nov 2022
राहु	07 Nov 2022 - 19 Jan 2023
गुरु	19 Jan 2023 - 25 Mar 2023
शनि	25 Mar 2023 - 10 Jun 2023
बुध	10 Jun 2023 - 18 Aug 2023
केतु	18 Aug 2023 - 16 Sep 2023
शुक्र	16 Sep 2023 - 06 Dec 2023
रवि	06 Dec 2023 - 30 Dec 2023

गुरु – मंगल

	30 Dec 2023 - 05 Dec 2024
मंगल	30 Dec 2023 - 19 Jan 2024
राहु	19 Jan 2024 - 10 Mar 2024
गुरु	10 Mar 2024 - 25 Apr 2024
शनि	25 Apr 2024 - 18 Jun 2024
बुध	18 Jun 2024 - 05 Aug 2024
केतु	05 Aug 2024 - 25 Aug 2024
शुक्र	25 Aug 2024 - 21 Oct 2024
रवि	21 Oct 2024 - 07 Nov 2024
चन्द्र	07 Nov 2024 - 05 Dec 2024

गुरु – राहु

	05 Dec 2024 - 01 May 2027
राहु	05 Dec 2024 - 16 Apr 2025
गुरु	16 Apr 2025 - 11 Aug 2025
शनि	11 Aug 2025 - 27 Dec 2025
बुध	27 Dec 2025 - 30 Apr 2026
केतु	30 Apr 2026 - 21 Jun 2026
शुक्र	21 Jun 2026 - 14 Nov 2026
रवि	14 Nov 2026 - 28 Dec 2026
चन्द्र	28 Dec 2026 - 11 Mar 2027
मंगल	11 Mar 2027 - 01 May 2027

शनि – शनि

	01 May 2027 - 04 May 2030
शनि	01 May 2027 - 22 Oct 2027
बुध	22 Oct 2027 - 25 Mar 2028
केतु	25 Mar 2028 - 28 May 2028
शुक्र	28 May 2028 - 28 Nov 2028
रवि	28 Nov 2028 - 22 Jan 2029
चन्द्र	22 Jan 2029 - 23 Apr 2029
मंगल	23 Apr 2029 - 26 Jun 2029
राहु	26 Jun 2029 - 08 Dec 2029
गुरु	08 Dec 2029 - 04 May 2030

शनि – बुध

	04 May 2030 - 11 Jan 2033
बुध	04 May 2030 - 20 Sep 2030
केतु	20 Sep 2030 - 16 Nov 2030
शुक्र	16 Nov 2030 - 29 Apr 2031
रवि	29 Apr 2031 - 17 Jun 2031
चन्द्र	17 Jun 2031 - 07 Sep 2031
मंगल	07 Sep 2031 - 03 Nov 2031
राहु	03 Nov 2031 - 30 Mar 2032
गुरु	30 Mar 2032 - 08 Aug 2032
शनि	08 Aug 2032 - 11 Jan 2033

शनि – केतु

	11 Jan 2033 - 20 Feb 2034
केतु	11 Jan 2033 - 03 Feb 2033
शुक्र	03 Feb 2033 - 12 Apr 2033
रवि	12 Apr 2033 - 02 May 2033
चन्द्र	02 May 2033 - 05 Jun 2033
मंगल	05 Jun 2033 - 28 Jun 2033
राहु	28 Jun 2033 - 28 Aug 2033
गुरु	28 Aug 2033 - 21 Oct 2033
शनि	21 Oct 2033 - 24 Dec 2033
बुध	24 Dec 2033 - 20 Feb 2034

शनि – शुक्र

	20 Feb 2034 - 21 Apr 2037
शुक्र	20 Feb 2034 - 31 Aug 2034
रवि	31 Aug 2034 - 28 Oct 2034
चन्द्र	28 Oct 2034 - 02 Feb 2035
मंगल	02 Feb 2035 - 10 Apr 2035
राहु	10 Apr 2035 - 30 Sep 2035
गुरु	30 Sep 2035 - 03 Mar 2036
शनि	03 Mar 2036 - 02 Sep 2036
बुध	02 Sep 2036 - 13 Feb 2037
केतु	13 Feb 2037 - 21 Apr 2037



इस साल आपका कैरियर

यह साल आपके लिये

दुनिया में हर व्यक्ति किसी न किसी कार्य को कर रहा है, और यह कार्य उसके लिये बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि न सिर्फ यह उसके व परिवार के लिये जीवन-यापन का साधन है, वरन यह उसको समाज से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी भी है.

इसलिये यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यस्थल के बारे में सचेत रहे और मिलने वाले हर मौके का फायदा उठाये. साथ ही आने वाली कठिनाईयों से भी सावधान रहे ताकि वह अपने कैरियर में निरंतर आगे बढ़ता रहे.

इस रिपोर्ट में आपको अपने आने वाले 12 महीनों का ज्योतिषीय विश्लेषण मिलेगा जो आपको आने वाले मौकों और खतरों की जानकारी देगा. तिथि के क्रम में दिये आंकलन से आप जान पायेंगे कि कब क्या हो सकता है.

यह रिपोर्ट ज्योतिष के दो स्तंभ, दशा व गोचर पर आधारित है. दशा में महादशा, अंतरदशा और प्रत्यंतर दशा का विश्लेषण कर सूक्ष्म प्रभाव जाना जा सकता है. वहीं ग्रहों के गोचर के द्वारा यह समझा जा सकता है कि कब कौन सा ग्रह आपके कैरियर पर क्या प्रभाव डालेगा.

साथ ही ग्रहों की दशाओं के लिए आसान उपाय भी दिये गये हैं जिन्हें करके आप ग्रहों को अपने अनुकूल कर सकते हैं. उतार-चढ़ाव आएंगे उनका विवरण दिया गया है.

ग्रहों की दशा का आपके ऊपर प्रभाव

महादशा : गुरु

01 May 2011 - 01 May 2027

आपकी कुण्डली में गुरु कमजोर स्थिति में है, जिसके फलस्वरूप गुरु की महादशा में आजीविका के क्षेत्र में मिलने वाले शुभफलों में कमी महसूस कर सकते हैं.

इस दौरान व्यवसाय में समझदारी से कार्य नहीं करेंगे तो आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है. धन का निवेश आपको सोच-समझ कर करना चाहिए तथा निवेश से पहले पेपरों की अच्छी तरह जांच कर लेनी चाहिए.

अपने व्यवसाय में नई योजनाओं पर कार्य करने की सोच रहें हैं तो, आपको इससे बचना चाहिए तथा जो योजनाएं पहले बनी हैं और जिन पर पहले से काम चल रहा है उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. योजनाएं को बीच में छोड़ देना आपके लिए नुकसान दायक हो सकता है.

अन्तर दशा : गुरु-शुक्र

13 March 2019 - 11 November 2021



शुक्र की अन्तर्दशा के कारण इस समय आप अपने शत्रुओं पर विजय हासिल करने में सफल होंगे। स्त्रियों के सौन्दर्य को बढ़ाने वाली वस्तुओं से जुड़ा काम करने से लाभ मिलेगा। कार्य क्षेत्र में स्त्रियों के सहयोग से आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है।

इस दौरान आप उत्साह व जोश से अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। अच्छे परिवेश में काम करने का मौका मिलेगा। वाहन सुख मिलने की भी संभावना है। मित्रों से प्रेरणा मिलेगी। आपकी ख्याति बढ़ेगी तथा आप अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रयासरत रहेंगे। यह समय वैवाहिक जीवन के पक्ष से भी अच्छा रहेगा।

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—मंगल

30 December 2019 - 25 February 2020

उपरोक्त समय में आपके व्यवसायिक जीवन में सुधार आयेगा और स्थिति पहले से बेहतर होगी।

इस दौरान आपको अपने मित्रों से मेल—मिलाप का अवसर मिलेगा। आप अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अपनी कार्यकुशलता को बढ़ायेंगे जिससे आपके प्रतियोगी चाहकर भी आपको परेशान नहीं कर पायेंगे। इस समय धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे। भौतिक सुख— सुविधाओं में इजाफा हो सकता है।

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—राहु

25 February 2020 - 20 July 2020

दिये गये समय में आप सोच—समझकर दूरदर्शिता के साथ कार्य करेंगे इससे मान—सम्मान में वृद्धि होगी। नीति निर्माण के कार्यों में आपका मन लगेगा।

इस समय आप जोश और उत्साह से कार्य पर ध्यान देंगे इससे कार्य बोझिल नहीं लगेगा। कार्य के उद्देश्य से आप यात्रा कर सकते हैं। आपको सम्मान मिलेगा। नये उत्तरदायित्व मिल सकते हैं। घर से बाहर की स्त्रियों से लाभ मिल सकता है। वाहन सुख भी प्राप्त कर सकते हैं।

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—गुरु

20 July 2020 - 27 November 2020

दिये गये समय में शिक्षा में कमी अथवा विषयों की अपूर्ण जानकारी के कारण पदोन्नति में बाधा आने की गुंजाइश रहेगी। योग्यता का प्रयोग समझदारी पूर्वक करना आपके लिए उचित रहेगा।

इस समयावधि में आपको अपने व्ययों पर नियन्त्रण रखना चाहिए तथा कार्यक्षेत्र में लोगों को सलाह देने से बचना चाहिए। बढ़े हुए दायित्वों के कारण आपके पास समय की कमी हो सकती है जिससे मित्रों के लिए वक्त निकालना मुश्किल होगा।

प्रत्यन्तर दशा : गुरु—शुक्र—शनि

27 November 2020 - 30 April 2021

शनि की प्रत्यन्तर दशा का यह समय आपको कार्यों में व्यस्त रहने की प्रेरणा देगा। आप अपना काम लगान पूर्वक करेंगे। इससे आपके कार्य की सराहना होगी तथा आपको मान—सम्मान मिलेगा। काम के प्रति समर्पण की भावना से लोगों के बीच आपका यश फैलेगा। आपको अपनी योजनाओं को



पूरा करने में प्रतियोगियों की बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा. मुश्किल कामों को भी आप सरलता से पूरा कर पाएंगे.

ज्योतिष के द्वारा उपाय

ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए कई उपाय बताए गये हैं. इन उपायों के द्वारा ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है और उनके शुभ फलों को बढ़ाया जा सकता है.

आप अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपना सकते हैं. इससे आजीविका में आने वाली बाधाएं दूर होंगी. कार्यक्षमता में वृद्धि होगी तथा अपनी बुद्धि से कैरियर में आने वाली दिक्कतों को दूर कर पाएंगे. भाग्य में जो सुख और लाभ मिलना लिखा है उसे पाने में आसानी होगी.

रत्नों द्वारा उपाय

गुरु का रत्न पुखराज धारण करना इस समय आपके लिए श्रेयष्कर होगा. इससे आपकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी. आपके मन में और ज्ञान अर्जित करने की लालसा बढ़ सकती है. कैरियर में आने वाली रूकावटों और परेशानियों का समाधान निकाल पाएंगे.

दान के द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान आपके लिए लाभप्रद रहेगा. पुखराज, कांसा, चने की दाल, बेसन, खांड, पीला कपड़ा, पीला पुष्प, हल्दी, घोड़ा, घी, शक्कर, बूंदी, बेसन के लड्डू गुरु की वस्तुएं हैं. बृहस्पतिवार के दिन सूर्योदय के दो घंटे के भीतर अपने सामर्थ्य के अनुसार इनका दान करना चाहिए.

मंत्रों द्वारा उपाय

इस अवधि में गुरु के मंत्र "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रीं सः गुरुवे नमः" का 19000 बार जप गुरु के शुभ प्रभाव को बढ़ाएगा. मंत्र जप आरम्भ करने से पूर्व यह संकल्प लें कि आप कितने समय में जप पूरा करेंगे. निर्धारित समय में जप पूरा कर लेने से जप का पूर्ण फल मिलता है अन्यथा जप निष्फल हो जाता है.

जप पूर्ण होने के बाद हवन करना चाहिए. हवन हेतु पीपल की लकड़ियों का प्रयोग करें. हवन में घी, शहद, दूध, दही और गुड़ अथवा चीनी से 108 बार आहुति दें.

कार्य भाव में ग्रहों के गोचर का आप पर प्रभाव

दशम घर में सूर्य का गोचर

16 June 2020 - 17 Jul 2020

दशम भाव पर सूर्य का गोचर आपकी कार्य क्षमता को बढ़ाएगा. आप अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह बखूबी कर पाएंगे.

सूर्य का यह गोचर आपको अपने उच्चाधिकारियों के स्नेह का पात्र बनाएगा. आपको नये दायित्व तथा आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा. आप अपनी आय से धन बचा सकते हैं. लोगों से मान-सम्मान प्राप्त



होगा. बढ़ती जिम्मेदारियां की वजह से आप थोड़े क्रोधी हो सकते हैं.

दशम घर में बुध का गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

आपकी कुण्डली के दशम भाव पर बुध का गोचर हो रहा है. दशम भाव से आजीविका का विचार किया जाता है, इसलिये आपकी आजीविका प्रभावित होगी तथा कार्यक्षेत्र में आपको संचार, व्यापारिक सौदे व समझौतों से लाभ मिलेगा. कुछ शुभ सूचनाएं भी मिल सकती हैं.

बुध आपको व्यवहारिक व बुद्धिमान बनायेगा और इसका गोचर आपकी आजीविका को उन्नति के रास्ते पर ले जायेगा. आपको अपने व्यवसाय की गुप्त नीतियों को छुपाकर रखना चाहिए. आपको मनोरंजन के साधनों में समय बिताना रुचिकर लग सकता है. वाणी के प्रभाव से लोगों के बीच आपकी छवि निखर सकती है.

दशम घर में शुक्र का गोचर

02 August 2020 - 02 Sep 2020

इस अवधि में शुक्र का गोचर दशम भाव में हो रहा है जिससे संचार के साधनों से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं. महिला सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. कार्यक्षेत्र में उन्नति की राह पर आगे बढ़ेंगे.

उच्चाधिकारियों व सहकर्मियों से मदद मिलेगी इससे आपका फायदा होगा तथा मान-सम्मान बढ़ेगा. विलासिता से जुड़ी सामग्री क्रय कर सकते हैं. मनोरंजन के साधनों में वृद्धि होगी.

नये लोगों से दोस्ती होगी. आपकी कलात्मक क्षमताएं उभर कर सामने आएंगी. घूमने-फिरने का शौक बढ़ेगा और आप खुश रहेंगे.

दशम घर में चन्द्र का गोचर

10 January 2020 - 12 Jan 2020
 06 February 2020 - 08 Feb 2020
 04 March 2020 - 07 Mar 2020
 01 April 2020 - 03 Apr 2020
 28 April 2020 - 30 Apr 2020
 25 May 2020 - 28 May 2020
 22 June 2020 - 24 Jun 2020
 19 July 2020 - 21 Jul 2020
 15 August 2020 - 18 Aug 2020
 12 September 2020 - 14 Sep 2020
 09 October 2020 - 11 Oct 2020
 05 November 2020 - 08 Nov 2020
 02 December 2020 - 05 Dec 2020
 30 December 2020 - 01 Jan 2021



चन्द्र का गोचर दशवें घर पर होना आपकी आजीविका को प्रभावित करेगा. संभावना है कि, इस दौरान लाभ के अवसर मिल सकते हैं जिससे धन की कमी दूर होगी. कार्यों को करते समय आपको अपना मन शांत रखना चाहिए और धैर्य से काम लेना चाहिए इससे अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी.

कार्यों में आपको मित्रों एवं सहकर्मियों से स्नेह व सहयोग मिलेगा. सहकर्मियों एवं सहयोगियों से अच्छे सम्बन्ध का आपको लाभ भी मिलता रहेगा. इसलिए, इनसे सम्बन्ध खराब नहीं करना चाहिए. कार्य में आने वाली सामान्य बाधाएं दूर होंगी जिससे चिन्ताओं में कुछ कमी आयेगी. सभी के साथ मिलकर काम करने के गुणों के कारण आपकी सराहना होगी.

दशम घर में राहु का गोचर

08 March 2019 - 24 Sep 2020

दशम भाव में राहु का गोचर दिये गये समय में आपको चिन्तनशील बनाएगा. कालात्मक कार्यों में भी आपकी रूचि को जगाएगा. गैर-पारम्परिक कला के क्षेत्रों को अपने काम से जोड़ेगे तो आपको सफलता मिलेगी.

अपने लक्ष्य के प्रति आपका ध्यान केन्द्रित रहेगा. कार्य के विषय में जो भी सोचेंगे उसे पूरा करने के लिए पूरी शक्ति और क्षमता से प्रयास करेंगे इससे कार्य में सफल होंगे. इस अवधि में आपकी नेतृत्व क्षमता उभरेगी तथा प्रबन्धन की सराहना की जाएगी.

आपको शक्ति का उपयोग नेक व अच्छे कार्यों में करना चाहिए तथा अनावश्यक व्ययों को कम करना चाहिए.

कार्य भाव के स्वामी का कार्य भाव में गोचर

25 May 2020 - 03 Aug 2020

इस अवधि में दशम भाव का स्वामी बुध दशम भाव से गोचर कर रहा है. यह गोचर आपकी व्यवसायिक योग्यता को बढ़ाएगा. आप क्रय-विक्रय के कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. अपनी व्यवहार कुशल वाणी से व्यापार में तरक्की करेंगे. लेखन में आपकी रूचि है तो अच्छे लेखक के रूप में उभर कर सामने आ सकते हैं.

इस गोचर के प्रभाव से संचार माध्यम तथा मीडिया के क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में आप अपनी बौद्धिक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे जिससे आपको लाभ मिलेगा. आपकी रूचि पर्यटन में हो सकती है, आप सैर-सपाटे पर जाने की सोच सकते हैं. यात्रा लाभप्रद रहेगी.